Literacy for a Billion

Movie: Holiday
Year: 2014

Song: Ashq na ho
Lyricist: Irshad Kamil

ओ यूँ ना लम्हा लम्हा मेरी याद में
हो के तनहा तनहा मेरे बाद में
नैना अश्क़ ना हो
माना कल से होंगे हम दूर
नैना अश्क़ ना हो
नैना अश्क़ ना हो
मैं ना लौटा आनेवाले साल जो
मेरी वर्दी बोले मेरा हाल तो
नैना अश्क़ ना हो
ये समझना मैं हूँ मज़बूर
नैना अश्क़ ना हो
नैना अश्क़ ना हो
बीते हुए लम्हों के तारे गिनूँगा मैं
आके तुझे ख़्याबों में तेरे मिलूँगा मैं
जब कभी हल्की हल्की बरखा आए
जब कभी दिल भी यूँ ही भर सा जाए
जब कभी हल्की हल्की बरखा आए
उस पल झोका एक बनके आऊँगा मैं
उस पल जुल्फ़े पलके दामन छू जाऊँगा मैं
ओ तेरी चुड़ी नगमे गाए जो मेरे
तेरी पलकों पे हो सायें जो मेरे
तेरी पलकों पे हो सायें जो मेरे
नैना अश्क़ ना हो
आँसू करते हमें कमजोर
नैना अश्क़ ना हो
नैना अश्क़ ना हो
तेरे लिए साँसें आए
तेरे लिए जाए जाए रे जाए रे

तेरे लिए साँसें आए
तेरे लिए जाए जाए रे जाए रे
रब्बा रब्बा बैरी से बिछोड़े
जाने किसने बनाए
हाय रे हाय रे हाय रे
दूरी तडपाए
मेरे बाद चाहे आए याद मेरी
नैना अश्क़ ना हो
नैना अश्क़ ना हो
नैना अश्क़ ना हो
अश्क़ ना हो...

ओ लिखी खत में मैंने तुझे बात जो
सोना रख के तकिये तले रात को
नैना अश्क़ ना हो
ये जुदाई भी है दस्तूर
नैना अश्क़ ना हो
नैना अश्क़ ना हो

मैं ना लौटा आनेवाले साल जो
मेरी वर्दी बोले मेरा हाल तो
नैना अश्क़ ना हो
ये समझना मैं हूँ मज़बूर
नैना अश्क़ ना हो
नैना अश्क़ ना हो

Literacy for a Billion

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.